कल्पवृक्ष

उत्तर-पुस्तिका

4

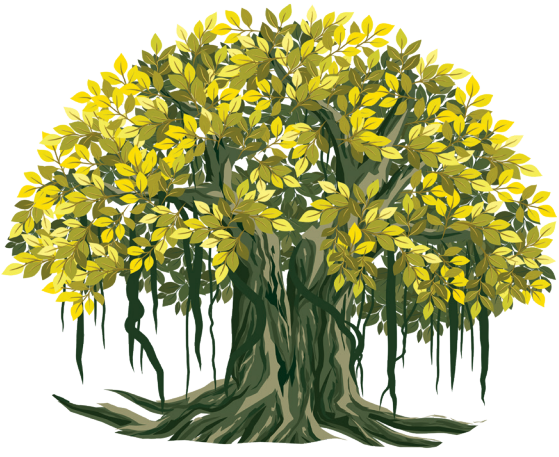

50 YEAR ANNIVERSARY
SOUVENIR
PUBLISHERS PVT. LTD.

कल्पवृक्ष - 4

पाठ 1 इस धरती को स्वर्ग बना देंगे

अभ्यास

बात-बात में

(क) स्वर्ग (ख) माँ (ग) रामू-राधिका (घ) प्रेम-प्रीति

लिखित

1. (क) जंगल (ख) रंगीन (ग) खरगोश (घ) दीपकों का धुआँ
   (ङ) ताजमहल (च) नीम (छ) बाघ (ज) 5 जून
2. (क) कटने, जल, दूषित, बंजर (ख) भूख बीमार बम गोलों स्वर्ग
   (ग) अनपढ़

खेल शब्दों का

1. जंगल नहीं काटेंगे स्वर्ग - बनाएंगे अलख - जगाएंगे
   चमन - खिलाएंगे अमन - दिलाएंगे प्रेम - जगाएंगे
2. (क) भूप (ख) सुमन (ग) अनल (घ) प्रसाद

पाठ - 2 निश्चय

अभ्यास

बात-बात में

(क) गेम

(ख) टीनू सोच रहा था गरीब आइसक्रीम वाला कैसे चिपचिपाती गर्मी में घर से बाहर जाकर फेरी लगनी पढ़ती है।

(ग) टीनू फेल हो गया।

(घ) आइसक्रीम वाले के बच्चे गाँव की पाठशाला में पड़ते थे।

(ङ) टीनू अपनी माँ के चेहरे पर गर्व और उल्लास का भाव देखना चाहता था।

लिखित

1. (क) माँ (ख) आइसक्रीम (ग) राघव
2. (क) टीनू इसलिए पछता रहा था क्योंकि वह सभी विषयों में फेल हो गया।
   (ख) विघालय से आने के बाद खाना खाकर या तो टेलिविजन के सामने बैठकर कार्टून-फिल्में देखने लगता या फिर कंप्यूटर खोलकर गेम खेलने में व्यस्त हो जाता।
   (ग) टीनू की माँ उसे पढ़ने के लिए कहती थी।
   (घ) देखो मित्र! इस बात का परिणाम पत्र लेकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। घर चलो और माँ को सच सच बता दो।

(ङ) आइसक्रीम वाला गरमी में भी रात तक घर-घर फेरी लगाता था क्योंकि उसके दो बच्चे थे, दोनों स्कूल में पढ़ते थे।

(च) अंत में टीनू मन ही मन निश्चय किया कि वह दिन रात एक कर देगा और मन लगाकर पढ़ाई करेगा।

3. (क) टीनू ने आइसक्रीम वाले से
   (ख) राघव ने टीनू से
   (ग) आइसक्रीम वाले ने टीनू से

खेल शब्दों का

1. (क) कंप्यूटर (ख) परिणाम (ग) ग्रहकार्य (घ) ग्लानि
   (ङ) ठंड (च) गर्व
2. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग
   (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग (छ) स्त्रीलिंग (ज) स्त्रीलिंग
3. (क) पढाई - हमें समय पर पढ़ाई करनी चाहिए।
   (ख) दुखी - हमें किसी भी जीव को दुखी नहीं करना चाहिए।
   (ग) अँधेरा - शाम होते ही अँधेरा छाने लगा।
   (घ) परेशान - टीनू की हरकतों से सब परेशान हैं।
   (ङ) घबराहट - परीक्षा नजदीक आते ही मेरी घबराहट बढ़ने लगी।

पाठ - 3 पटाखों से तौबा

अभ्यास

बात-बात में

(क) विज्ञान की अध्यापिका (ख) वायु प्रदुषण (ग) बेलनाकार
(घ) ओजोन परत (ङ) पराबैंगनी (च) बहरेपन (छ) घातक बीमारियाँ

लिखित

1. (क) चौथी (ख) पोटैशियम क्लोरेट
2. (क) पटाखे पोटैशियम क्लोरेट और गंधक के निश्चित अनुपात में तैयार मिश्रण से बनते हैं। उन्हें जलाने से हानिकारक गैसें निकलती हैं।
   (ख) पटाखों से निकलने वाली रासायनिक गैसें और धुआँ वायु को प्रदूषित करती हैं। जिससे श्वास रोग, क्षय रोग, हृदय रोग, जैसी घातक बीमारियाँ फैलती है। ये सब बीमारियाँ हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हैं।
   (ग) पटाखों के धुएँ से होने वाले वायु प्रदूषण से श्वास रोग क्षय रोग हृदय रोग आदि बीमारियाँ होती हैं तथा ध्वनि प्रदूषण से बहरेपन की समस्या होती हैं।
   (घ) चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने दीवाली पर गरीब बच्चों को मिठाई और खिलौने बाँटने का निश्चय किया।

खेल शब्दों का

1. (क) मोटे बेलनाकार (ख) विषैली (ग) ज़हरीला (घ) घातक
3. (क) अच्छा तो पटाखे सभी को पसंद हैं।
   (ख) अभिलाष, सचिन और हेमंत तीनों चौथी कक्षा के विद्यार्थी हैं।
   (ग) हाय राम अब क्या होगा?
   (घ) तो फिर हम दीवाली कैसे मनाएँगें?

पाठ 4 हंस और कौआ

अभ्यास

बात-बात में

(क) हंस (ख) साबुन (ग) नदी (घ) कालापन (ङ) सफेद

लिखित

1. (क) काला (ख) सफेद (ग) साबुन
2. (क) हंस को देख कौए को अपने काले रंग पर शर्म आई।
   (ख) हंस को देखकर कौए ने सोचा कि मैं कैसे उजला उजला हो पाऊँगा।
   (ग) कौआ गुसलखाने से साबुन लेकर नहाने के लिए भागा।
   (घ) कौए ने अपना कालापन धोने का प्रयास साबुन से अच्छी तरह नहाकर किया।
   (ङ) जब कौए का कालापन दूर नहीं हुआ तो उसे पछतावा हुआ।
3. (क) हाँ (ख) नहीं (ग) हाँ (घ) हाँ (ङ) नहीं
4. उजला उजला हंस एक दिन,
   उड़ते उड़ते आया।
   हंस देखकर काला कौआ,
   मन-ही-मन शरमाया
5. प्रस्तुत पंक्तियों में कौए के बारे में बताया जा रहा हैं कि नदी पर जाकर उसने अपने शरीर पर खूब घिस घिसकर साबुन लगाया और नहाया, पर वह अपने शरीर के कालेपन को नहीं धो सका।

खेल शब्दों का

1. (क) सुरेश और निकिता का झगड़ा हुआ।
   (ख) सड़क पर मत खेलो।
   (ग) राम और रावण में युद्ध हुआ।
2. (क) घुस - एक कौआ मेरे घर में घुस गया।
   घूस - एक अधिकारी ने राजू को घूस लेते हुए पकड़ा।
   (ख) उत्तर - हंस को देखकर कौए के चेहरे का रंग उतर गया।
   उत्तर - उसने सभी प्रश्नों के उत्तर लिखे।
   (ग) श्याम - श्याम स्कूल से आते ही सो गया।
   शाम - उसके घर पहुँचते ही शाम हो गई।

3. (क) नृप – राजा, नरेश (ख) उजाला – प्रकाश, प्रभात
(ग) नदी – सरिता, तटिनी (घ) घर – गृह, सदन

पाठ 5 दीवान की बुद्धिमानी

अभ्यास

बात-बात में

(क) दीवान (ख) दरबारी (ग) एक गिलास बैल का दूध (घ) बहन को

लिखित

1. (क) पहाड़ी राज्य (ख) ईमानदारी से (ग) महत्वकांक्षी
2. (क) राजा को राज्य के लिए कुशल दीवान आवश्यकता थी।
   (ख) कुम्हार अपने काम में कुशल होने के साथ-साथ बहुत बुद्धिमान भी था। वह अपने आस-पास की समस्याओं को चुटकियों में हल कर दिया करता था।
   (ग) राजा यह देखकर दंग रह गया कि कुम्हार न केवल अपना काम पूरी ईमानदारी से करता था, अपितु वह बुद्धिमान भी था।
   (घ) दरबारी ने राजा को उसकी बुद्धिमानी की परीक्षा के लिए युक्ति बताई कि आप दीवान से कहिए कि वह एक गिलास बैल का दूध लेकर आए, अन्यथा उसे हटा दिया जाएगा।
   (ङ) राजा की शर्त को पूरा करने के लिए दीवान ने अपनी जगह अपनी बहन को दरबार में भेज दिया। जब राजा ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा कि मेरे भाई ने पिछली रात एक लड़के को जन्म दिया यह सुनकर राजा ने क्रोधित होकर कहा, मूर्ख लड़की! कहीं आदमी भी बच्चे को जनम देते हैं? इस पर लड़की ने मुस्कराकर जवाब दिया- श्रीमान जी! कभी किसी बैल को दूध देते सुना हैं? यह सुनकर राजा बेहद शर्मिंदा हुए।
3. राजा – गुणों की कद्र करने वाला, न्यायप्रिय, पारखी
   दीवान – कुशल, बुद्धिमान, गंभीर
   दरबारी – ईर्ष्यालु, धूर्त, महत्वकांक्षी
4. (क) बुद्धिमान (ख) दीवान (ग) उन्नति (घ) ईर्ष्या
5. (क) 4 (ख) 3 (ग) 6 (घ) 2 (ङ) 1 (च) 5

खेल शब्दों का

1. (क) बहुत परिश्रम करना (ख) बुरी तरह हराना
   (ग) हरा देना (घ) बहुत प्रिय होना
2. लहसुन, नमक, कमल, लड़का
   बादल, लोहा, हाथ, थरमस
   धूप, पनघट, टमाटर, रथ

पाठ 6 मित्र की मदद

अभ्यास

बात-बात में

(क) मित्र (ख) बीमार होने पर (ग) खाना (घ) मित्र

लिखित

1. (क) मदद (ख) हँसकर (ग) मिलकर
2. (क) अपने मित्र की मदद हम पूरे तन-मन-धन से करेंगे।
   (ख) अपने मित्र की मदद करेंगे।
   (ग) पाठ के अनुसार हम अपने मित्र के साथ मिलकर फल, मेवा और मिठाई खाएंगे।
   (घ) अपने मित्र की अच्छी तरह देख-रेख करेंगे और सदा सेवा करेंगे।
   (ङ) हमारा मित्र हमारे काम में हाथ बाँटाकर हमारी मदद करेगा।
3. (क) सहायता (ख) हंसकर (ग) मिलकर
4. (क) खाना हो जब पास तुम्हारे उनसे मिलकर तुम खाओ।
   (ख) पड़ जाए बीमार अगर वह सेवा उसकी सदा करो।
5. (क) सही (ख) सही (ग) गलत (घ) सही

खेल शब्दों का

1. (क) पड़ोसी (ख) निरंतर (ग) बर्तन (घ) भजन
2. पत्र - अस्त्र अधूरा - पूरा टन - मन मेवा - सेवा गाना - आना
   शाम - धाम

पाठ 7 अकबरी लोटा

अभ्यास

बात-बात में

(क) ढाई सौ रूपए (ख) कुर्सी (ग) पैर पर
(घ) पांच सौ रूपए में (ङ) पंडित जी

लिखित

1. (क) रुपयों की (ख) मुँडेर के (ग) लोटा
2. (क) लालाजी ने पंडित जी को समस्या बताई की लालाइन में ढाई सौ रुपये माँगे हैं और उनकी जेब में एक कौड़ी भी नहीं है।
   (ख) इस समय तो मेरे पास भी कुछ इंतजाम नहीं है फिर भी देखो कुछ कोशिश करके देखता हूं भरोसा रखो।

(ग) लालाजी मुँडेर के पास खड़े होकर लोटे से पानी पीने लगते हैं अचानक लोटा उनके हाथ से छूट कर नीचे नाली में गिर जाता है।

(घ) ओह! गॉड तोड़ दिया मेरा पैर कौन है वह इडियट बेवकूफ किसने फेका यह लोटा ऊपर से मैं उसे जेल भिजवाऊँगा उस पागल को मैं छोड़ूंगा नहीं।

(ङ) पंडित जी लोटे के बारे में अंग्रेज को बताते हैं कि जनाब मुझे तो यह ऐतिहासिक लोटा जाना पड़ता है यह शायद वही प्रसिद्ध अकबरी लोटा है जिसकी तलाश में संसार भर के म्यूजियम परेशान है।

3. (क) पंडित जी ने भीड़ से (ख) लालाजी ने पंडित जी से
   (ग) पंडित जी ने अंग्रेज से (घ) अंग्रेज ने पंडित जी से।
4. (क) प्रतिष्ठा (ख) इंतजाम (ग) कल्याण (घ) शख्स

खेल शब्दों का

1. (क) शहर (ख) हार (ग) गरीब (घ) लाभ
2. गलत सही
   सही गलत
   गलत सही
   गलत सही
   सही गलत
3. (क) मोहन अपने दादाजी की आँख का तारा है।
   (ख) रोहन के घर पहुँचते हैं उसकी माँ ने उसके कान भरने शुरू कर दिए।
   (ग) राहुल को देखते ही सोहन बोला यार तुम तो ईद के चाँद हो गए।
   (घ) रोहन खुद ही अपने मुँह मियां मिट्ठू बनता है।

अभ्यास प्रश्न पत्र - 1

1. जंगल नहीं काटेंगे स्वर्ग - बनाएंगे अलख - जगाएंगे
   चमन - खिलाएंगे अमन - दिलाएंगे प्रेम - जगाएंगे
2. (क) टीनू इसीलिए पछता रहा था क्योंकि वह सभी विषयों में फेल हो गया था।
   (ख) चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने दिवाली पर गरीब बच्चों को मिठाई और खिलौने बाँटने का निश्चय किया।
   (ग) जब कौए का कालापन दूर नहीं हुआ तब उसे पछतावा हुआ।
   (घ) दरबारी में राजा को की बुद्धिमानी की परीक्षा के लिए युक्ति बताई कि आप दीवान से कहिए कि वह एक गिलास बैल का दूध लेकर आए अन्यथा उसे हटा दिया जाएगा।
   (ङ) अपने मित्र की अच्छी तरह देखरेख करेंगे और सदा सेवा करेंगे।
3. (क) मोटे बेलनाकार (ख) विषैली (ग) ज़हरीला (घ) घातक
4. (क) हाँ (ख) नहीं (ग) हाँ (घ) हाँ (ङ) नहीं

5. उजला-उजला हंस एक दिन, उड़ते उड़ते आया।
   हंस देखकर काला कौआ,
   मन ही मन शरमाया।
6. (क) पड़ोसी (ख) निरंतर (ग) बर्तन (घ) भजन
7. (क) प्रतिष्ठा (ख) इंतजाम (ग) कल्याण (घ) शख्स

पाठ 8 मानव सेवा की प्रतीक

अभ्यास

बात-बात में

(क) जेनेवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन (ख) स्विट्जरलैंड में
(ग) स्विट्जरलैंड के राष्ट्रीय ध्वज जैसा (घ) 8 मई (ङ) मानव सेवा के

लिखित

1. (क) घमासान युद्ध (ख) हेनरी (ग) महिलाएँ
2. (क) रेडक्रॉस सोसायटी का मानव जाति के लिए बहुत महत्त्व है। यह सोसाइटी मानव सेवा करने के लिए एक संस्था है यह संस्था युद्ध में घायल हुए सैनिकों की सहायता करती है।
   (ख) रेडक्रॉस सोसायटी का जन्म 1864 के जेनेवा अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ हेनरी के प्रस्ताव पर इस संस्था की नीव पड़ी।
   (ग) रेडक्रॉस के कार्यक्षेत्र का विस्तार किया गया। अब रेडक्रॉस संस्था युद्ध में ही नहीं, शांति के समय में भी असहाय लोगों की सेवा का कार्य करने लगी है। अब इस संस्था की ओर से बाढ़, अकाल, महामारी, भूकंप आदि प्राकृतिक विपदाओं के समय भी आवश्यक सहायता पहुँचाई जाती है। यह संस्था शरणार्थियों के लिए भी विशेष रूप से सहायक सिद्ध हुई है।
   (घ) रेडक्रॉस सोसायटी के लिए धन का मुख्य स्रोत लोगों के द्वारा स्वेच्छापूर्वक दिया गया दान है।
   (ङ) रेडक्रॉस सोसायटी का विचार सर्वप्रथम हेनरी के मन में आया, क्योंकि एक घमासान युद्ध में सैनिको को घायल देख उसका हृदय द्रवित हो उठा।
3. (क) सन 1864 (ख) 1906 (ग) 8 मई (घ) 1859ई
4. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही

खेल शब्दों का

1. बाल दिवस	14 नवंबर
महिला दिवस	8 मार्च
मातृ दिवस	8 मई
पितृ दिवस	19 जून
शिक्षक दिवस	5 सितम्बर
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी

2. संज्ञा रेडक्रॉस सोसायटी झंडा
   सर्वनाम उस इस
   विशेषण मुख्य जरूरतमंद
   क्रियाप हुँचाती है देती है
3. (क) हितेषी (ख) सर्वज्ञ (ग) हॉस्पिटल (घ) चित्रकार

पाठ 9 आग का आविष्कार

अभ्यास

बात-बात में

(क) जंगल (ख) लाल पीली (ग) चकमक (घ) बाँस (ङ) कोटा नगर

लिखित

1. (क) कच्चा मांस (ख) चकमक (ग) लोहा
2. (क) हजारों वर्ष पहले चारों ओर घने जंगल थे, जहाँ भयानक जानवर रहते थे। न गाँव थे, न खेत आदमी भी जंगल में रहता था। वह अपने भोजन की खोज में जंगलों में इधर-उधर घूमकर जानवरों का शिकार करता और उनका कच्चा मांस खाता था।
   (ख) एक बार वह शिकार के लिए जा रहा था। उसके पास कोई हथियार नहीं था निशाना मारने के लिए उसने बड़े पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े करना चाहा। पत्थर को पत्थर पर मारा। इससे चमक निकली।
   (ग) जब आदमी ने आग में बने मांस का टुकड़ा खाया तो उसे वह बहुत स्वादिष्ट लगा, इसलिए आदमी आग को बनाए रखना चाहता था।
   (घ) गाँव वाले आज भी प्राचीन प्रयोग को काम में लाते हैं। अब वे सूत की डोरी को बाँस की नली में डाले रखते हैं और चकमक पत्थर को लोहे के टुकड़े से रगड़ कर आग पैदा कर लेते हैं।
   (ङ) आग के चार महत्त्वपूर्ण उपयोग है- भोजन बनाना, उजाला करना, सर्दियों में आग जलाना और जंगलों में जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए इस्तेमाल करना।

खेल शब्दों का

1. (क) मानवता (ख) बचपन (ग) सजावट (घ) बहुतायत
2. आग, गमला, लाल, लड़की, कील, लड़का, कागज, जग
3. (क) आज तो आसमान से आग बरस रही है।
   (ख) बेटे की करतूत सुनते ही पिता के तन-बदन में आग लग गई।
   (ग) छात्रों को कक्षा में शोर मचाते देखकर अध्यापक आग बबूला हो गए।
   (घ) नौकर को चोरी करते देखकर मालिक की आँखों से अंगारे बरस गए।
   (ङ) पिताजी मोहित से पहले ही नाराज थे, किंतु उसके फेल होने की खबर ने उनके क्रोध की आग में घी डालने का काम किया।

4. (क) आग - अग्नि
   (ख) गाँव - ग्राम
   (ग) आदमी - मानव
   (घ) इच्छा - कामना

पाठ 10 श्रद्धापर्व छठ पूजा

अभ्यास

बात-बात में

(क) बिहार और झारखंड (ख) सूर्य भगवान के प्रति
(ग) गन्ने की (घ) अर्घ्य (ङ) नदी के किनारे

1. (क) बिहार 2. (ख) सूर्य (ग) दो
2. (क) 3 (ख) 1 (ग) 2 (घ) 4
3. (क) श्रद्धा (ख) डंडियों (ग) प्रसाद (घ) उच्चारण
4. (क) छठ पूजा बिहार और झारखंड का प्रसिद्ध त्योहार है।
   (ख) यह पूजा वर्ष में दो बार वैशाख और कार्तिक के महीने में सूर्य भगवान के प्रति सम्मान व श्रद्धा व्यक्त करने के लिए आयोजित की जाती है।
   (ग) कई सप्ताह पहले से ही इस त्योहार की तैयारियाँ शुरू हो जाती हैं। गन्ने की पतली-पतली डंडियों से देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाई जाती हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भगवान सूर्य की उपासना करते हैं।
   (घ) नदी के पानी में घंटे तक खड़े रहकर लोग पूजा के मंत्रों का उच्चारण करते हैं और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस प्रकार छठ पूजा संपन्न की जाती है।
   (ङ) छठ पूजा एक सामाजिक उत्सव है। इस अवसर पर गाँवों में नदी किनारे खूब मेले लगते हैं, जिसमें खाने-पीने की दुकानें तथा बच्चों के मनोरंजन के लिए खेल-तमाशे आदि होते हैं।

खेल शब्दों का

1. कपास, सरोज, जल, लकीर, राईस
   बादल, लड़का, कागज, जग, गमला
   शलगम, मछली, लीची, चीनी, नीला
2. (क) प्रवचन = प + र + अ + व + अ + च + अ + न + अ
   (ख) महात्मा = म + अ + ह + आ + त + म + आ
   (ग) प्रार्थना = प + र + आ + र + थ + अ + न
3. हरियाणा उड़ीसा गुजरात
   गोआ बिहार कर्नाटक
   असम कश्मीर
4. होली, दिवाली, राखी, ईद, दशहरा

पाठ 11 स्वास्थ्य अनमोल धन

अभ्यास

बात-बात में

(क) स्वास्थ्य (ख) शरीर (ग) गंदे कपडों (घ) विटामिन "डी" (ङ) व्यायाम

लिखित

1. (क) अच्छा स्वास्थ्य 2. (ख) माँसपेशियाँ (ग) पौष्टिक
2. (क) स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। जब हम स्वस्थ हैं, तो हमारा हर क्षण उल्लास से भरा रहता है। रात में हमें अच्छी नींद आती है। सुबह उठते समय हमारे मन में नई उमंग और शरीर में नव स्फूर्ति होती है। मन की प्रसन्नता के लिए शरीर का स्वास्थ्य आवश्यक है।

   (ख) हम प्रतिदिन स्नान करके अपने शरीर की सफाई कर सकते हैं। स्नान करने के बाद तौलिए से रगड़कर शरीर पौंछना चाहिए।

   (ग) गंदे कपड़ों पर बीमारियों के कीटाणु जमा हो जाते हैं। प्रतिदिन धुले साफ कपड़े पहनने से हम बीमारी से बच सकते हैं। इसलिए वस्त्रों की सफाई आवश्यक है।

   (घ) अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन और पौष्टिक खाना आवश्यक है। कुछ भी खा लेने से शरीर को भरपूर शक्ति नहीं मिलती। अच्छे भोजन में रोटी, दाल, चावल के अतिरिक्त हरी सब्जी, फल और दूध का होना आवश्यक है।
3. (क) दाल (ख) चावल (ग) रोटी (घ) सब्जी
4. (क) स्वास्थ्य (ख) कीटाणु (ग) पौष्टिक (घ) मांसपेशियों

खेल शब्दों का

1. (क) उसके एक पैर में पोलियो हो गया था।

   (ख) घर की सफाई करनी चाहिए।

   (ग) धूप से विटामिन "डी" मिलता है।
2.

एक जैसे	विपरीताथक	मिलते-जुलते	सार्थक-निरर्थक
खिला-खिला	सुख-दुख	काम-काज	नहाना-धोना
लाल-लाल	घर-बाहर	सजना-सँवरना	सब्जी-अब्जी
रोज-रोज	धूप-छाया	साफ-सफाई	खाना-वाना

पाठ 12 चलों, चलें स्विटजरलैंड

अभ्यास

बात-बात में

(क) कश्मीर (ख) सयुक्त राष्ट्र संघ (ग) लिमेट (घ) गाय (ङ) लुसाने

लिखित

1. (क) स्वर्ग (ख) रेपिड
2. (क) तेज चलने वाली गाडी का नाम रेपिड था। और उसका अर्थ होता हैं तेज।
   (ख) वहाँ का कार्नविल रेलवे स्टेशन बहुत खूबसूरत हैं। झील के किनारे बसा जेनेवा बहुत सुंदर हैं। झील में एक फव्वारा भी हैं। जिसकी धारा 120 मीटर की ऊँचाई तक जाती हैं।
   (ग) तंग रास्ते में आवागमन के लिए रसियों पर चलने वाली कारें हैं।
   (घ) बर्न नगर की घड़ी 700 वर्ष पुरानी हैं जो अब भी ठीक समय बता रही हैं।
   (ङ) यहाँ पर कहीं फाँसीसी भाषा बोली जाती हैं, तो कहीं जर्मन और कहीं इटैलियन भाषा। यह देश फाँस, इटली, जर्मन, ऑस्टेलिया आदि देशों से घिरा हैं। इसलिए जो भाग जिस देश के निकट हैं, वहाँ उसी देश का प्रभाव हैं।
3. (क) हाँ (ख) हाँ (ग) नहीं (घ) हाँ
4. (क) स्विटजरलैंड (ख) कार्नविल (ग) झील (घ) विश्व युद्ध

खेल शब्दों का

1. (क) संतोषी (ख) खरीदार (ग) प्रतीक्षालय (घ) बेरहम (ङ) भुलक्कड
3. गौ, गैया सरिता, तटिनी पर्वत, गिरी वन,जंगल

पाठ 13 मेरी राजकुमारी

अभ्यास

बात-बात में

(क) चंदा की शीतल किरणों (ख) प्यारी मैना (ग) घर का (घ) उजियारा
(ङ) हँसी-खुशी से

1. (क) बेटी के लिए (ख) बंद कली से (ग) गोरा
2. (क) प्रस्तुत कविता की कवियत्री का नाम कल्पना शर्मा हैं।
   (ख) कवियत्री का कहना हैं कि उसकी बेटी मैना की कूक-कूककर शोर मचाती है, इसलिए उसने बेटी की तुलना मैना से की हैं।
   (ग) कवियत्री ने अपनी बेटी को कुंदन तरह शुद्ध व खरी बताया हैं।
   (घ) कवियत्री को अपनी बेटी कभी घास पर छाई सुबह की ओस की तरह लगती हैं तो कभी मस्ती में इतराती सुहानी शाम की तरह लगती हैं।
   (ङ) अंत में कवियत्री अपनी बेटी से कहती है की इस झार की शान व मेरा मान हो तुम सदा हंसी खुशी इस घर को सजाएं रखना।
3. मेरे दिल की रानी हो तुम,
   सबकी सोन परी हो।
   सूरज की लाली चेहरे पर,
   कुदन सी शुद्ध खरी हो।

4. (क) प्रसंग प्रस्तुत पंक्तियों कल्पना शर्मा रचित मेरी राजकुमारी कविता से ली गयी है। व्याख्या - कवियत्री अपनी बेटी से कह रही है की तुम जब से घर आई हो तब से इस घर का कोना कोना हँसने लगा है अर्थात खुशियों से भर गया है।
   (ख) प्रसंग प्रस्तुत पंक्तियों कल्पना शर्मा रचित मेरी राजकुमारी कविता से ली गयी है। व्याख्या - अपनी बेटी के लिए कह रही है की तुम ही हो जिसके आने से मेरे घर में उजाला हो गया है।

खेल शब्दों का

1. माता - पिता राजा - रानी
   राजकुमारी - राजकुमार बेटी - बेटा
2. सुन्दर - बदसूरत हँसी - रोना
   शीतल - गर्म खुशी - दुखी
3. (क) चंदा - चंद्रमा, शशि
   (ख) सूरज - रवि, सूर्य
   (ग) कुंदन - सोना, कनक
   (घ) सुबह - प्रातः, सवेरा

पाठ 14 बकरी दो गांव खा गई

अभ्यास

बात-बात में

(क) अकबर को (ख) आगरा (ग) बरकत (घ) लालच और छोटापन (ङ) बकरी

लिखित

1. (क) गन्ने का (ख) पचीस पैसे (ग) किसान का लगान (घ) दो (ङ) पीपल के
2. (क) अकबर ने किसान से गन्ने का रस इसलिए माँगा था क्योंकि वे बहुत थक गए थे।
   (ख) किसान ने अकबर को गन्ने में अधिक रस होने का कारण बताया की यह हमारे बादशाह की नीयत का कमाल है जनाब अगर उसकी नीयत ठीक न हो तो गन्ने में इतना रस न निकले।
   (ग) किसान ने अकबर को बताया की जब तक बादशाह की नीयत ठीक रहेगी तब तक गन्ने में ज्यादा सा रस निकलेगा और जब उनकी नीयत में खोट आएगा तो गन्ने में भी रस की मात्रा कम हो जायेगी इस प्रकार मामूली किसान ने अकबर को इंसानियत का पाठ पढ़ाया।
   (घ) किसान ने अकबर को ऐसी बात सिखाई, जो बड़े-बड़े विद्वान भी अपने शासकों को नहीं सीखा पाते। इसलिए उसने किसान का लगान माफ कर दिया।

(ङ) अंत में अकबर ने किसान को दो गाँव इनाम में दिए।

(च) पत्ते को अपनी जगह न पाकर किसान इसलिए रोने लगा, क्योंकि उस पत्ते पर अकबर ने उसे दो गाँव देने का हुक्म लिखा था।

(छ) बादशाह ने किसान को सावधान किया की इस बार इन गाँवो को बकरी से बचाना।

3. (क) 3 (ख) 2 (ग) 4 (घ) 1 (ङ) 1 (च) 6 (छ) 5
4. (क) आश्चर्य (ख) बादशाह (ग) स्वादिष्ट (घ) नीयत (च) इंतजार (छ) फर्क
5. अकबर – बादशाह गन्ना – रस नीयत – बरकत खेत – लगान
   पत्ता – बकरी

खेल शब्दों का

1. (क) श्याम – श्याम सुबह से बाहर गया हुआ है।
   शाम – शाम होते ही सभी पक्षी अपने-अपने घोसलों में चले गए।
   (ख) गदा – भीम ने दुर्योधन पर गदा से प्रहार किया।
   गधा – कुम्हार का गधा खेतों की तरफ भाग गया।
   (ग) दिशा – मेरे घर की एक उत्तर दिशा में एक मंदिर है।
   दशा – मोहन की दशा इस वक्त बहुत खराब है।
   (घ) बहु – हमारे देश की संस्कृति बहु प्राचीन संस्कृति है।
   बहू – सास अपनी छोटी बहू से बहुत प्यार करती है।
2. (क) की (ख) का (ग) के (घ) की (ङ) की
3. क्रिया भाववाचक क्रिया भाववाचक
   उतारना – उतराव मिलना – मिलाप
   कामना – कमाई धमकाना – धमकी
   रहना-सहना – रहन-सहन लेना-देना – लेन-देन

पाठ 15 सूर के पद

अभ्यास

मौखिक प्रश्न

(क) मक्खन (ख) गाय (ग) ग्वाला (घ) माली

1. (क) सूरदास (ख) मक्खन (ग) यशोदा
2. (क) इस पद में श्रीकृष्ण मैया यशोदा से माखन न खाने की बात कह रहे है।
   (ख) श्रीकृष्ण कह रहे है की मैया मैं तो भोर होते ही गायों को चराने निकल पड़ता हूँ और शाम को ही घर पहुँचता हूँ। इस प्रकार वे सफाई दे रहे है।
   (ग) श्रीकृष्ण कह रहे है की मैया मैं तो भोर होते ही गायों को चराने निकल पड़ता हूँ और शाम को ही घर पहुँचता हूँ। इस प्रकार वे सफाई दे रहे है।

(घ) श्रीकृष्ण माता यशोदा से कह रहे है की मैया तू मन की बहुत भोली है और गोपियों के कहने से तेरे मन में भेद उत्पन हो गया है। इसी कारण तू मुझे पराया जान रही है अर्थात पराये जैसा व्यवहार कर रही है।

(ङ) श्रीकृष्ण के रूठने पर अंत में माता यशोदा उन्हें अपने ह्रदय से लगा लेती है।

3. (क) प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियाँ सूरदास द्वारा रचित सूर के पद से ली गई है। इस पंक्तियों में श्रीकृष्ण अपनी माता से शिकायत कर रहे है।
व्याख्या - श्रीकृष्ण माता यशोदा से कह रहे है की तेरे ह्रदय में कोई भेद उत्पन्न हो गया हैं, जो मुझे पराये जैसा जान रही हैं।

(ख) प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियाँ सूरदास द्वारा रचित 'सूर के पद' से ली गई है।
व्याख्या - माता यशोदा श्रीकृष्ण से कह रही है। ले अपनी कमरिया। तुने मुझे बहुत तंग किया हैं।

4. (क) मैया मोरी, मैं नहि माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पीछे,
मधुबन मोहि पठायो।
चार पहर बंसीबट भटकायो,

(ख) मैं बालक बहियन को छोटो,
छीकोकेहि विधि पायो।
ग्वाल-बाल सब बैर पड़े हैं।
बरबस मुख लपटायो।

खेल शब्दों का

1. बहुवचन, बहुवचन, एकवचन, बहुवचन, एकवचन
2. (क) मैं (ख) में (ग) मै, में (घ) मैं
3. मैया - माता भोरी - भोली
भोर - सुबह जिय - ह्रदय
माखन - मक्खन परायो - पराया

अभ्यास प्रश्न पत्र - 2

1. (क) घमासान युद्ध (ख) हेनरी (ग) महिलाएँ
2. (क) रेडक्रॉस सोसायटी का मानव-जाति के लिए बहुत महत्व है। यह सोसायटी मानव-सेवा करने वाली एक संस्था हैं। यह संस्था युद्ध में घायल हुए सैनिको की सहायता करती हैं।

(ख) जब आदमी ने आग में गिरा माँस का टुकड़ा खाया तो उसे वह बहुत स्वादिष्ट लगा, इसलिए आदमी आग को बनाये रखना चाहता हैं।

(ग) नदी के पानी में घंटों तक खड़े रहकर लोग पूजा के मंत्रों का उच्चारण करते हैं और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते है। इस प्रकार छठ पूजा संपन्न की जाती हैं।

(घ) गंदे कपड़ो पर बीमारियों के कीटाणु जमा हो जाते हैं। प्रतिदिन धुले साफ कपडे पहनने से हम बीमारी से बच सकते हैं। इसलिए वस्त्रों की सफाई आवश्यक हैं।

(ङ) बर्न नगर की घड़ी कई वर्ष पुरानी हैं जो अब भी ठीक समय बता रही हैं।

3. (क) मानवता (ख) बचपन (ग) सजावट (घ) बहुतायत

4. (क) उसके एक पैर में पोलियो हो गया था।

(ख) घर की सफाई करनी चाहिए।

(ग) धूप से विटामिनडी मिलता हैं।

5. मेरे दिल की रानी हो तुम,
सबकी सोन परी हो।
सूरज की लाली चहेरे पर,
कुंदन सी शुद्ध खरी हो।

6. (क) की (ख) का (ग) के (घ) का (ङ) की